

विषय – संस्कृत
पाठ्य पुस्तक का नाम – रूचिरा भाग – 1
कक्षा – 6

निम्नलिखित पाठ शैक्षिक सत्र 2020–21 के पाठ्यक्रम से हटा दिए गए हैं।

| क्रम संख्या | पाठ क्रमांक | पाठ का नाम | पाठ की अधिगम उपलब्धि | किस अन्य पाठ / कक्षा में यह अधिगम उपलब्धि निहित है। |
|-------------|---------------|-----------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------|
| 1 | पंचमः पाठः | वृक्षाः | द्वितीयाविभक्तिप्रयोगपूर्वकं, लट्लकार प्रयोगपूर्वकं, संस्कृतेन सम्भाषणाय वाक्यरचनायाः अभ्यासो जातः। कविविषयकं ज्ञानं भवेत्। | 3, परिशिष्टम् |
| 2 | नवमः पाठः | क्रीडास्पर्धा | विभक्तीनां प्रयोगाभ्यासश्च जातः। विभिन्न क्रीडायाः नामानि महत्त्वं च ज्ञायते। | 6, 10 |
| 3 | त्रयोदशः पाठः | विमानयानं रचयाम | पदोच्चारणपूर्वकं, श्लोकोच्चारणभ्यासो जातः। विमानयात्रायाः महत्त्वं आकाशस्य वातावरणं च ज्ञातवान्। कल्पनाशक्त्या विकासमभवत्। | 8,10,17 |
| 4 | चतुर्दशः पाठः | अहह आः च | उच्चारणभ्यासो जातः। कथाकथनाभ्यासो जातः। आज्ञापालन विषयकं ज्ञानम् अभवत्। | 6 |
| 5 | पंचदशः पाठः | मातुलचन्द्रः | चन्द्रमसः स्नेहपूर्णं महत्त्वं ज्ञातवान्। सम्भाषणाभ्यासः कथा घटनाक्रम, श्रुतलेखन, अनुवादप्रयोगाभ्यासः, अनुप्रयुक्तव्याकरणाभ्यासः, अपठितपद्यांशानां / गद्यांशानां प्रयोगाभ्यासस्य ज्ञानम् अभवत्। | 10,14,17 |

कमेटी के सदस्य

नाम

हस्ताक्षर

1. डॉ. सुन्दर राणा
2. श्री अश्विनी शर्मा

विषय – संस्कृत
पाठ्य पुस्तक का नाम – रूचिरा भाग – 2
कक्षा – 7

निम्नलिखित पाठ शैक्षिक सत्र 2020–21 के पाठ्यक्रम से हटा दिए गए हैं।

| क्रम संख्या | पाठ क्रमांक | पाठ का नाम | पाठ की अधिगम उपलब्धि | किस अन्य पाठ/कक्षा में यह अधिगम उपलब्धि निहित है। |
|-------------|---------------|---------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------|
| 1 | द्वितीयः पाठः | दुर्बुद्धिः विनश्यति | दुर्बुद्धिः सद्बुद्धिः इत्यनयोः व्यावहारिकं ज्ञानम् अभवत्। कथाकथनाभ्यासो जातः। कारकज्ञानम्। उपपदविभक्तिज्ञानम् अभवत्। | 5,14,16 |
| 2 | नवमः पाठः | अहमपि विद्यालयं गमिष्यामि | पदोच्चारण-पूर्वकं श्लोकोच्चारणाभ्यासो जातः। विमानयात्रायाः महत्त्वं आकाशस्य वातावरणं च ज्ञातवान्। कल्पना शक्त्याः विकासम् अभवत् | 1,6,17 |
| 3 | एकादशः पाठः | समवायो हि दुर्जयः | कथा विधायाः अभ्यासो जातः। कृत् प्रत्ययानां प्रयोगाभ्यासो जातः। समवायस्य/एकतायाश्च महत्त्वं ज्ञातवान्। | 5,7,10 |
| 4 | द्वादशः पाठः | विद्याधनम् | श्लोकगायनस्याभ्यासो जातः। तद्धित् प्रत्ययानां प्रयोगाभ्यासो जातः। विद्यायाः वाण्याश्च महत्त्वं ज्ञातवान्। | 1,7,10 |
| 5 | पंचदशः पाठः | लालनगीतम् | उच्चारणाभ्यासो जातः। गीतगायनाभ्यासो जातः। संभाषणाभ्यासः श्रुतलेखनाभ्यासश्च जातः। प्रकृतेः सौन्दर्यस्य औदार्यस्य महत्त्वस्य ज्ञानम् अभवत्। | 1,10,17 |

कमेटी के सदस्य

नाम

हस्ताक्षर

1. डॉ. सुन्दर राणा
2. श्री अश्विनी शर्मा

विषय – संस्कृत
पाठ्य पुस्तक का नाम – रूचिरा भाग – 3
कक्षा – 8

निम्नलिखित पाठ शैक्षिक सत्र 2020–21 के पाठ्यक्रम से हटा दिए गए हैं।

| क्रम संख्या | पाठ क्रमांक | पाठ का नाम | पाठ की अधिगम उपलब्धि | किस अन्य पाठ/कक्षा में यह अधिगम उपलब्धि निहित है। |
|-------------|--------------|-------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------|
| 1 | चतुर्थः पाठः | सदैव पुरतो निधेहि चरणम् | लोट् , विधिलिङ्ग लकारयोः प्रयोगाभ्यासो जातः। कवितां पठित्वा देशभक्तिः कर्तव्यपरायणता च समधिगता। | 1,7,13, परिशिष्टम् |
| 2 | पंचमः पाठः | कण्टकेनैव कण्टकम् | ऋकारान्त स्त्रीलिङ्ग-शब्दरूपाणां प्रयोगाभ्यासो जातः। पाठं पठित्वा कर्मानुसारेणैव फलं लभ्यते। | 2,17, परिशिष्टम् |
| 3 | अष्टमः पाठः | संसार सागरस्य नायकाः | संस्कृतसंभाषणाभ्यासो जातः। विषयवस्तुगत धातु रूपाणां पंच लकारेषु प्रयोगाभ्यासो जातः पृथिव्यां यत्किमपि दृश्यते तत्सर्वं मानवनिर्मितम् इति विज्ञाय तेषां कर्ता गजधर इति नामकस्य शिल्पिकारस्य ज्ञानम् अभवत्। | 13, परिशिष्टम् |
| 4 | दशमः पाठः | नीतिनवनीतम् | सर्वनाम-पदानां प्रयोगाभ्यासो जातः। वृद्धानां सम्मानं, सदाचार तथा च सत्यासत्यमार्गस्य ज्ञानम्। विधिलिङ्ग-लकारस्य प्रयोगाभ्यासः जातः। सन्धि पदानां ज्ञानं जातम्। | 1,17, परिशिष्टम् |
| 5 | पंचदशः पाठः | प्रहेलिकाः | अनुवादप्रयोगाभ्यासो जातः। संभाषणाभ्यासः श्रुतलेखनाभ्यासश्च जातः। संस्कृत भाषायां प्रहेलिकानां कथं प्रयोग इति ज्ञानम् अभवत्। | 1,13,16,17 |

कमेटी के सदस्य

नाम

हस्ताक्षर

1. डॉ. सुन्दर राणा
2. श्री अश्विनी शर्मा